हरिद्वार अर्धकुंभ स्पेशल

देहरादून, मसूरी, टिहरी झील ऋषिकेश और हरिद्वार गंगा स्नान

यात्रा समयः 06 दिन

यात्रा प्रारंभ: 18 जनवरी, 22 फरवरी व 10 मार्च

दिन	दर्शनीय स्थल
पहला	**नई दिल्ली** रेलवे स्टेशन से बस द्वारा देहरादून के लिए प्रस्थान। **सहस्त्रधारा** एवं **टपकेश्वर महादेव मंदिर** दर्शन। शाम को पलटन बाजार भ्रमण स्वयं द्वारा । रात्रि विश्राम देहरादून।
दूसरा	**मसूरी** प्रस्थान रास्ते में **मालसी डियर पार्क, प्राचीन शिव मंदिर** और **कैम्पटी फॉल**। दोपहर में **कंपनी बाग**। शाम को **मॉल रोड भ्रमण** स्वयं द्वारा । रात्रि मसूरी।
तीसरा	**नई टिहरी** रवाना **धनौल्टी इको पार्क** और **सुरकंडा देवी मंदिर** दर्शन करते हुए टिहरी। दोपहर बाद **टिहरी झील** में बोटिंग और वॉटर स्पोर्ट्स का आनंद। रात्रि विश्राम नई टिहरी।
चौथा	**ऋषिकेश** पहुँचकर **जानकी सेतु**, जीप द्वारा **नीलकंठ महादेव मंदिर, लक्ष्मण झूला, बजरंग सेतु (ग्लास ब्रिज), रामझूला**, स्वर्गाश्रम। शाम को **परमार्थ निकेतन** अथवा **त्रिवेणी घाट** पर प्रसिद्ध **गंगा आरती दर्शन**। रात्रि विश्राम ऋषिकेश।
पांचवां	**हरिद्वार** पहुँचकर कुंभ के अवसर पर **गंगा स्नान**, समयानुसार स्थनीय मंदिर दर्शन। इसके बाद शुक्रताल के लिए प्रस्थान। रात्रि विश्राम शुक्र ताल में।
छठवां	**शुक्रताल** गंगा स्नान, **शुक देव मंदिर**, पवित्र वृक्ष, जहां शुकदेव जी ने सर्वप्रथम भागवत कथा सुनाई थी। **विशालकाय हनुमान जी की प्रतिमा,** गणेश मंदिर व दुर्गा मंदिर दर्शन। नई दिल्ली प्रस्थान, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रा सम्पन्न।

यात्रा किराया:- चाय-नाश्ता, दोनों समय का भोजन, A/C डबल बैड होटल रूम, घुमाने के लिए A/C पुशबेक डीलक्स बसों सहित किराया ₹ **31,000/-** प्रति सवारी होगा। पहाड़ों पर A/C सुविधा नहीं रहेगी। कृपया बस यात्रा के नियम पेज नं. 19 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

बस व रेल रिजर्वेशन द्वारा यात्रा की नियम व सुविधाऐं।

1. **यात्रा शुल्क:** यात्रा का किराया में डबल बेड रूम, भोजन, स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण एवं ट्रांसपोर्ट शामिल हैं। अग्रिम बुकिंग हेतु **₹5,000/-** प्रति यात्री 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I. बैंक खाते या हमारे नजदीकी ऑफिस में जमा करवा दें। शेष राशि यात्रा प्रारंभ से 15 दिन पूर्व जमा करना आवश्यक है। यात्रा तिथि नजदीक आने पर रेल रिजर्वेशन में वेटिंग आ सकती है इसलिए आप से निवेदन है की 2 महीने पहले बुक करे। **यदि कोई यात्री बुकिंग रद्द करता है तो अग्रिम राशि वापिस नहीं की जाएगी। दर्शनीय स्थलों के प्रवेश शुल्क, बोटिंग, क्रूज, रोपवे, पोर्टर, वाटर स्पोर्ट्स, जू -सफारी, एडवेंचर गतिविधियाँ, पारंपरिक शो आदि के खर्च पैकेज में शामिल नहीं हैं। हमारे द्वारा उल्लेखित सुविधाओं के अतिरिक्त यदि यात्री स्वयं कोई अतिरिक्त खर्च करते हैं, तो उसका भुगतान उन्हें स्वयं करना होगा।**
2. **भोजन व्यवस्था:** यात्रियों के लिए यात्रा में सुबह चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी रहेगी। शाम को चाय होगी। दाल-चावल व रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफाइंड का प्रयोग होगा। चावल बासमती बनेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक पानी की बोतल दी जायेगी।
3. **रात्रि विश्राम:** होटल का प्रबन्ध यात्रियों के लिए डबल बैड रूम में किया जाएगा लेकिन अगर कोई अलग से सिंगल बेड रूम लेने चाहे तो ऐसे में ₹6000 से ₹9000 तक प्रति रूम अतिरिक्त भुगतान करके ले सकते है। A/C सुविधा केवल चलती बस में रहेगी पार्किंग में खड़ी बस में यह सुविधा नहीं होगी। यात्री अपने साथ बुकिंग के समय दिए गए असली पहचान पत्र आधार कार्ड अवश्य लाएं।

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा। संस्था द्वारा बनाई गई रेल टिकट में सीट रेलवे तय करता है। कृपया आवंटित सीट पर यात्रा का आनंद लें। बस में सीट लॉटरी के माध्यम से आवंटित की जायेगी। यात्रा शुल्क मे इन्श्योरेन्स शामिल नहीं है। यात्री स्वयं के खर्च पर इन्श्योरेन्स करवा सकते है। यात्री द्वारा रेल /बस/होटल की संपत्ति को किसी भी प्रकार का नुकसान होने पर यात्री स्वयं जिम्मेदार होगा।
- प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई गुरप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मंदिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री पैदल या रिक्शे (स्वयं के खर्च) से वहाँ जा सकते हैं।
- यात्री को आवश्यकता पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थतियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व मैनेजर को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।